Press Release:

बालको की मदद से किसान बन रहे आर्थिक रूप से मजबूत

बालकोनगर, 18 जून। काम की तलाश में मजदूरों और किसानांे का दूसरे प्रदेशों या शहरी की ओर पलायन देश भर में बड़ी समस्या है। बालको संयंत्र के आसपास स्थित ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर भी कुछ ऐसी ही थी। बालको प्रबंधन ने स्थानीय जन प्रतिनिधियों की मदद से समस्याओं का विश्लेषण किया और सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत स्वावलंबन एवं आजीविका उपार्जन की दिशा में ऐसी अनेक परियोजनाएं प्रारंभ कीं जिनसे बड़ी संख्या में युवाओं, महिलाओं और किसानों को लाभ हुआ है। ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि प्रोत्साहन का परिणाम यह हुआ है कि सिंचाई सुविधाएं विकसित हुई हैं। खेती की नई तकनीकों से परिचित होकर किसान आर्थिक रूप से मजबूत बन रहे हैं।

ग्राम बेला के कोमल भगत किसान के साथ ही एक दिहाड़ी मजदूर हैं। बालको की कृषि प्रोत्साहन योजनाओं के क्रियान्वयन से पहले उनके गांव में सिंचाई की सुविधाएं नहीं थीं। वे खेती की नई तकनीकांे से भी परिचित नहीं थे। इस कारण वे अपने खेतों में सिर्फ धान की फसल ही ले पाते थे। बाकी समय वे आजीविका के लिए दूसरे शहरों की ओर पलायन कर जाते थे। जब उन्हें पता चला कि बालको की ओर से ग्राम बेला में सिंचाई की सुविधाओं के विकास की दिशा में काम किया जा रहा है और किसानों को खेती की आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तब वे दूसरे शहर से अपने गांव लौट आए। बालको की योजनाओं से परिचित होकर कोमल ने पहले वर्ष अपने एक एकड़ खेत में पारंपरिक पद्धति से खेती की। इसी दौरान बालको के सामुदायिक विकास विभाग के माध्यम से उन्हें शासन की विभिन्न योजनाओं से परिचित होने का अवसर मिला। बालको ने उन्हें ड्रिप प्रणाली की स्थापना, खेत की बाड़बंदी में मदद के साथ ही अनेक नए उपकरणों के माध्यम से खेती का प्रशिक्षण दिया। कोमल बताते हैं कि अब वे अपने तीन एकड़ खेत में आधुनिक तरीके से खेती कर रहे हैं। इस वर्ष गर्मी के मौसम में उन्होंने लगभग डेढ़ लाख रुपए के तरबूज बेचे। इसके अलावा खेती से वे प्रतिमाह लगभग 25000 रुपए की आमदनी अर्जित कर रहे हैं।

ग्राम दोंदरो के 21 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर अविनाश कुमार बताते हैं कि बालको की कृषि प्रोत्साहन योजनाओं से प्रेरित होकर उन्होंने गांव में ही ज़मीन अधिया में लेकर खेती की शुरूआत की। बालको ने उन्हें प्रशिक्षण और उच्च गुणवत्ता के बीज प्रदान किए। आज अविनाश सब्जियों से प्रतिमाह 15000 रुपए तक कमा लेते हैं। बालको और नाबार्ड की ओर से स्थापित वेदांता एग्रीकल्चर रिसोर्स सेंटर ने उन्हें सब्जियों की नई किस्में उगाने की प्रेरणा दी है। पिछले वर्ष पहली बार उन्होंने अपने खेत में गेहूं बोकर लाभ कमाया। अविनाश कहते हैं कि कुछ नया करने की इच्छा ही जीवन में आगे ले जाती है। बालको ने किसानों की मदद की दिशा में नया आयाम बनाया है।

किसानों को हो रहे लाभ को देखते हुए ग्राम चुईया में बालको और नाबार्ड ने एग्रीकल्चर इनपुट सेंटर नव किसान कृषि सेवा केंद्र की शुरूआत की है। किसानों के संगठन नव किसान बहुउद्देशीय सहकारी समिति मर्यादित, भटगांव की ओर से संचालित केंद्र से 10 गांवों के 500 से अधिक किसान लाभान्वित होंगे। केंद्र के माध्यम से किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज, उर्वरक और कीटनाशक न्यूनतम कीमत पर उपलब्ध कराए जाएंगे।

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक श्री अभिजीत पति ने सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अंतर्गत कृषि सेवा केंद्र की शुरुआत पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि किसानांे को बालको की मदद से आधुनिक खेती का प्रशिक्षण दिया गया है। गांव में कृषि सेवा केंद्र के संचालन से किसानों की शहरों पर निर्भरता कम हो जाएगी। केंद्र के जरिए उन्हें शासन की कृषि संबंधी अनेक योजनाओं की जानकारी भी मिलेगी जिससे उनकी उत्पादकता बढ़ेगी। उन्होंने किसानों का आह्वान किया है कि वे बालको-नाबार्ड संचालित परियोजना का भरपूर लाभ उठाएं।

छत्तीसगढ़ शासन और प्रशासन के मार्गदर्शन में कोविड-19 से लड़ाई के खिलाफ बालको ने अपने प्रचालन क्षेत्रों के नागरिकों की मदद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। महामारी से निपटने की दिशा में बालको ने जिला प्रशासन, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों, व्यावसायिक साझेदारों और स्वयंसेवी संगठनों की मदद ली है। लॉकडाउन के कारण जिन परिवारों के समक्ष जीवन यापन संकट उत्पन्न हो गया है ऐसे परिवारों की मदद की जा रही है।

भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) देश की प्रमुख एल्यूमिनियम उत्पादक इकाई है। कंपनी की 49 फीसदी अंशधारिता भारत सरकार के और 51 फीसदी अंशधारिता वेदांता लिमिटेड के स्वामित्व में है। वेदांता लिमिटेड दुनिया की 6वीं सबसे बड़ी वैविध्यीकृत प्राकृतिक संसाधन कंपनी है तथा यह कंपनी देश में एल्यूमिनियम का सबसे अधिक उत्पादक करती है। बालको द्वारा कोरबा में 0.57 मिलियन टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता के एल्यूमिनियम स्मेल्टर का प्रचालन किया जाता है। बालको मूल्य संवर्धित एल्यूमिनियम उत्पादों की अगुवा कंपनी है जिसके उत्पादों का महत्वपूर्ण अनुप्रयोग कोर उद्योगों में किया जाता है। विश्वस्तरीय स्मेल्टर और बिजली उत्पादक संयंत्रों के साथ बालको का ध्येय 'भविष्य की धातु' एल्यूमिनियम को उभरते अनुप्रयोगों हेतु प्रोत्साहित करते हुए हरित एवं समृद्ध कल के लिए योगदान करना है।

About Vedanta Limited

Vedanta Limited, a subsidiary of Vedanta Resources Limited, is one of the world's leading Oil & Gas and Metals company with significant operations in Oil & Gas, Zinc, Lead, Silver, Copper, Iron Ore, Steel, and Aluminium & Power across India, South Africa, Namibia, and Australia. For two decades, Vedanta has been contributing to India's growth story, currently contributing 1 percent of India's GDP. The company is among the top private sector contributors to the exchequer with the highest ever contribution of INR 42,560 Crore in FY 2019.
Governance and sustainable development are at the core of Vedanta's strategy, with a strong focus on health, safety, and environment and on enhancing the lives of local communities. The company has been conferred the CII-ITC Sustainability Award, the FICCI CSR Award, Dun & Bradstreet Awards in Metals & Mining, and certified as a Great Place to Work. Vedanta Limited is listed on the Bombay Stock Exchange and the National Stock Exchange in India and has ADRs listed on the New York Stock Exchange.

For more information please log on to https://www.vedantalimited.com

For further information contact:

Sonal Choithani
Chief Communication Officer
Aluminium & Power Business
Vedanta Ltd.
Sonal.choithani@vedanta.co.in
+91-9910602549